10 वसंत (हिन्दी) अपूर्व अनुभव

Grade - 7

Classnotes

प्रश्नों को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1. **कहाँ का प्रत्येक बच्चा एक-एक पेड़ को अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था ?**

   ***a.* तोमोए**
   b. कुहोंबुत्सू
   c. डेनेनचोफू
   d. हिरोशिमा

2. **यासुकी चान को क्या रोग था ?**

   ***a.* पोलियो**
   b. पीलिया
   c. एनीमिक
   d. अंधापन

3. **तोत्तो चान यासुकी चान को पेड़ पर चढ़ाने का कौन सा तरीका अपना रही थी ?**

   a. धक्के लगाकर
   b. हाथ से ऊपर की ओर खींच कर
   ***c.* सीढ़ी पर धकियाकर**
   d. पेड़ के तने पर सरकाकर

4. **किसकी बहन अमेरिका में है ?**

   ***a.* यासुकी चान**
   b. तोतो चान
   c. रॉकी
   d. द्विशाखा

सही वाक्य के आगे सही (✔) और गलत वाक्य के आगे गलत (✖) का चिह्न लगाइए |

1. **यासुकी-चान अकसर खाने की छुट्टी के समय या स्कूल के बाद ऊपर चढ़ी मिलती।** ✖
2. **तोत्तो-चान को पोलियो था।** ✖
3. **यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए तोत्तो-चान ने अथक प्रयास किए।** ✓
4. **यासुकी-चान टी वी पर सूमो कुश्ती देखने की बात करता है।** ✓

उपयुक्त शब्द का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए |

1. **तोतो चान ने <u>यासुकी चान</u> को अपने पेड़ पर चढ़ने का मौका दिया था।**
2. **<u>तोत्तो-चान</u> उल्लास में ठिठिया कर हँसने लगी।**
3. **<u>बादल</u> का एक बड़ा टुकड़ा बीच-बीच में छाया करके उन्हें कड़कती धूप से बचा रहा था।**
4. **यासुकी-चान को <u>पोलियो</u> था।**

किसने, किससे और क्यों कहा ?

1. **" मैं यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ने देने वाली हूँ |"**

   तोत्तो-चान ने रॉकी से कहा

2. **"तुम लेट जाओ, मैं तुम्हें पेड़ पर खींचने की कोशिश करती हूँ।"**

   तोत्तो-चान ने यासुकी-चान से कहा

3. **"मेरे पेड़ पर तुम्हारा स्वागत है।"**

   तोत्तो-चान ने यासुकी-चान से कहा

4. **" ठहरो , एक बात सूझी है |"**

   तोत्तो-चान ने यासुकी-चान से कहा

निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1. **तोमोए में हरेक बच्चा बाग के एक-एक पेड़ को अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था। तोत्तो-चान का पेड़ मैदान के बाहरी हिस्से में कुहोन्बुत्सु जाने वाली सड़क के पास था। बड़ा सा पेड़ था उसका, चढ़ने जाओ तो पैर फिसल-फिसल जाते। पर, ठीक से चढ़ने पर जमीन से कोई छह फुट की ऊँचाई पर एक द्विशाखा तक पहुँचा जा सकता था। बिलकुल किसी झूले सी आरामदेह जगह थी यह। तोत्तो-चान अकसर खाने की छुट्टी के समय या स्कूल के बाद ऊपर चढ़ी मिलती। वहाँ से वह सामने दूर तक ऊपर आकाश को या नीचे सड़क पर चलते लोगों को देखा करती थी।**

   १. कहाँ का हरेक बच्चा बाग के एक-एक पेड़ को अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था ?
   २. तोत्तो-चान का पेड़ कहाँ स्थित था ?
   ३. तोतो चान छुट्टी के समय कहाँ मिलती थी ?
   ४. द्विशाखा कितनी ऊँचाई पर स्थित होती थी ?

   १. तोमोए में हरेक बच्चा बाग के एक-एक पेड़ को अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था।
   २. तोत्तो-चान का पेड़ मैदान के बाहरी हिस्से में कुहोन्बुत्सु जाने वाली सड़क के पास था।
   ३. तोत्तो-चान अकसर खाने की छुट्टी के समय या स्कूल के बाद ऊपर चढ़ी मिलती।
   ४. द्विशाखा 6 फुट की ऊँचाई पर स्थित होती थी |

2. **" मेरी बहन अमरीका में है, उसने बताया है कि वहाँ एक चीज़ होती है - टेलीविजन।" यासुकी-चान उमंग से भरा बता रहा था, "वह कहती है कि जब वह जापान में आ जाएगा तो हम घर बैठे-बैठे ही सूमो-कुश्ती देख सकेंगे। वह कहती है कि टेलीविजन एक डिब्बे जैसा होता है।" तोत्तो-चान उस समय यह तो न समझ पाई कि यासुकी-चान के लिए, जो कहीं भी दूर तक चल नहीं सकता था, घर बैठे चीजों को देख लेने के क्या अर्थ होंगे ? वह तो यह ही सोचती रही कि सूमो पहलवान घर में रखे किसी डिब्बे में कैसे समा जाएँगे ? उनका आकार तो बड़ा होता है, पर बात उसे बड़ी लुभावनी लगी। उन दिनों टेलीविजन के बारे में कोई नहीं जानता था। पहले-पहल यासुकी-चान ने ही तोत्तो-चान को उसके बारे में बताया था। पेड़ मानो गीत गा रहे थे और दोनों बेहद खुश थे। यासुकी-चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह पहला और अंतिम मौका था।**

   १. किसकी बहन अमेरिका में है ?
   २. वे लोग सूमो कुश्ती कहाँ देखने की बात कर रहे थे ?
   ३. उन दिनों किसके बारे में कोई नहीं जानता था?
   ४. कौन गीत गा रहा था ?

   १. यासुकी-चान की बहन अमेरिका में है |
   २. वे लोग टेलीविजन पर सूमो कुश्ती देखने की बात कर रहे थे |
   ३. उन दिनों टेलीविजन के बारे में कोई नहीं जानता था।
   ४. पेड़ गीत गा रहे थे |

वाक्य को पढ़कर एक शब्द में उत्तर लिखिए |

10 - अपूर्व अनुभव

Classnotes

1. **कहाँ का प्रत्येक बच्चा एक-एक पेड़ को अपना खुद का चढ़ने का पेड़ मानता था ?** तोमोए
2. **तोतो चान से यासुकी चान कितना बड़ा था ?** 1 वर्ष
3. **इस पाठ के अनुवादक कौन हैं ?** यज्ञिक कुशवाहा
4. **यासुकी चान का घर कहाँ पर था ?** डेनेनचोफू में

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कम से कम शब्दों में लिखिए |

1. **तोमोए में पेड़ को बच्चे कैसी संपत्ति मानते थे ?**

   तोमोए में पेड़ को बच्चे अपनी निजी संपत्ति मानते थे।

2. **तोत्तो-चान की योजना के बारे में किसे पता नहीं था ?**

   तोत्तो-चान की योजना के बारे में उसकी माता को पता नहीं था।

3. **देखो , अब डरना मत , ऐसा तोत्तो-चान ने किसकी आवाज़ में कहा ?**

   देखो , अब डरना मत , ऐसा तोत्तो-चान ने बड़ी बहन की - सी आवाज़ में कहा।

4. **"अपूर्व अनुभव " पाठ की विधा क्या है ?**

   " अपूर्व अनुभव " पाठ की विधा 'संस्मरण' है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक से दो वाक्यों में लिखिए |

1. **तोत्तो-चान का पेड़ कैसा था ?**

   तोत्तो-चान का पेड़ बड़ा था। उस पर चढ़ते जाओ तो पैर फिसल - फिसल जाते थे। पर , ठीक से चढ़ने पर ज़मीन से कोई छह फुट की ऊँचाई पर एक द्विशाखा पर पहुँचा जा सकता था।

2. **पेड़ की द्विशाखा पर पहुँचते ही तोत्तो-चान और यासुकी - चान ने एक दूसरे से क्या कहा ?**

   तोत्तो-चान ने सम्मान से झुककर कहा, " मेरे पेड़ पर तुम्हारा स्वागत है।" यासुकी - चान ने झिझकते हुए मुसकरा के पूछा, " क्या मैं अंदर आ सकता हूँ ?"

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए |

1. **अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे क्यों थीं ?**

   तोत्तो-चान ने अपनी माँ से झूठ कहा था कि वह यासुकी-चान के घर जा रही है। असल में वह यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए लेकर जा रही थी। उसे डर था कि अगर उसने माँ की ओर देखा तो माँ उसकी चोरी पकड़ लेगी और उसे नहीं जाने देगी। इसी डर के कारण झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे थी।

2. **तोत्तो-चान ने यासुकी - चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए सबसे पहले क्या किया और वह असफल क्यों रही ?**

   तोत्तो-चान यासुकी - चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए चौकीदार के छप्पर से सीढ़ी ले आई। परन्तु यासुकी - चान के हाथ - पैर इतने कमज़ोर थे कि वह पहली सीढ़ी पर भी बिना सहारे के चढ़ नहीं पाया।

10 - अपूर्व अनुभव

इस पर तोत्तो-चान नीचे उतर आई और यासुकी - चान को पीछे से धकियाने लगी। पर तोत्तो-चान थी छोटी और नाज़ुक सी, इससे अधिक सहायता क्या करती। यासुकी - चान ने अपना पैर सीढ़ी पर से हटा लिया और हताशा से सिर झुकाकर खड़ा हो गया।

3. यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए तोत्तो-चान ने अथक प्रयास क्यों किया ? लिखिए।

यासुकी-चान तोत्तो-चान का घनिष्ठ मित्र था। उसे पोलियो हो गया था जिसके कारण उसके हाथ-पैर सही रूप में काम न करते थे। पेड़ पर चढ़ना तो उसके लिए संभव ही न था। जबकि जापान के शहर तोमोए में हर बच्चे का एक निजी पेड़ था, लेकिन यासुकी-चान ने शारीरिक अपंगता के कारण किसी पेड़ को निजी नहीं बनाया था। उसके मन की पेड़ पर चढ़ने की चाह को पूरा करने के लिए तोत्तो-चान ने यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने का अथक प्रयास किया।

4. दृढ़ निश्चय और अथक परिश्रम से सफलता पाने के बाद तोत्तो-चान और यासुकी-चान को अपूर्व अनुभव मिला, इन दोनों के अपूर्व अनुभव कुछ अलग-अलग थे। दोनों में क्या अंतर रहे ? लिखिए।

दृढ़ निश्चय और अथक परिश्रम से पेड़ पर चढ़ने की सफलता पाने के बाद तोत्तो-चान और यासुकी चान को अपूर्व अनुभव मिला। इन दोनों के अपूर्व अनुभव का अंतर निम्न रूप में कह सकते हैं|तोत्तो-चान स्वयं तो रोज़ ही अपने निजी पेड़ पर चढ़ती थी। लेकिन पोलियो से ग्रस्त अपने मित्र यासुकी-चान को पेड़ की द्विशाखा तक पहुँचाने से उसे अपूर्व आत्म-संतुष्टि व खुशी प्राप्त हुई क्योंकि उसके इस जोखिम भरे कार्य से यासुकी-चान को अत्यधिक प्रसन्नता मिली। मित्र को प्रसन्न करने में ही वह प्रसन्न थी। यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़कर अपूर्व खुशी मिली। उसके मन की चाह पूरी हो गई। पेड़ पर चढ़ना तो दूर वह तो निजी पेड़ बनाने के लिए भी शारीरिक रूप से सक्षम न था। उसे ऐसा सुख पहले कभी न मिला था।

5. यासुकी-चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह ...... अंतिम मौका था।'- इस अधूरे वाक्य को पूरा कीजिए और लिखकर बताइए कि लेखिका ने ऐसा क्यों लिखा होगा ?

यासुकी-चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह पहला अवसर था जिसे तोत्तो-चान ने बड़ी मुश्किल से पूरा किया। यह इतना जोखिम भरा कार्य था कि शायद यह यासुकी-चान के लिए पहले के साथ-साथ अंतिम मौका था। लेखिका ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि बहुत जोखिम उठाकर, अपने माता-पिता को बिना बताए तोत्तो-चान उसे पेड़ पर लेकर गई थी। शायद वह दोबारा ऐसा कभी न कर पाएगी।